भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय
IIT
INDIAN INSTITUTE OF TECHNOLOGY
BANARAS HINDU UNIVERSITY

☎ 0542 2366676: e-mail : pro.ppc@itbhu.ac.in

कुलसचिव कार्यालय
(प्रेस एवं प्रचार प्रकोष्ठ)

हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया

Office of the Registrar
(Press & Publicity Cell)

दिनांक : 18.01.2019

रैंप पर फैशन का जलवा बिखरा

वाराणसी। स्वतंत्रता भवन सभागार गुरुवार को विविध आयोजनों को समर्पित रहा। छात्र-छात्राओं ने फैशन शो का आयोजन किया।

महामना की बगिया में एक मंच पर जहां भारत की सांस्कृतिक पहचान में बहुलता के दर्शन हुए तो दूसरी तरफ देश भर की विविध संस्कृतियों को समाहित करने का प्रयास किया गया। काशी यात्रा में इस बार की थीम सांस्कृतिक विरासत रखी गयी। इसमें राजस्थान, महाराष्ट्र, गुजरात, उत्तर प्रदेश के अलावा देश-विदेश की विविध संस्कृतियों का प्रतिनिधित्व करने वाले छात्रों ने विशिष्ट परंपरा की झलक फैशन शो के माध्यम से दिखाई।

शादी के जोड़े में दुल्हन सी सजी छात्राएं जहां लोगों के दिलों को छू गई, वहीं शेरवानी व सूट बूट में सजे युवाओं ने परिधानों ने भी खूब लुभाया। इंग्लिश धुन व रंगीन रोशनी के बीच कैट वॉक करती छात्राओं ने अपने परिधान संग अदा का प्रदर्शन किया तो पैंथर वॉक में युवाओं ने भागीदारी की। पैजामा कुर्ता के अलावा जींस, टी-शर्ट व सूट बूट फैशन का जलवा बिखरा।

आईआईटी बीएचयू में गुरुवार से शुरू हुए 37वें काशी यात्रा के पहले दिन रैंप वॉक करने से पहले प्रैक्टिस करती फैशन शो में भाग लेने वाली छात्राएं। फैशन शो में परंपरागत और आधुनिक परिधानों में छात्र-छात्राओं को खूब प्रशंसा मिली।

स्वतंत्रता भवन सभागार में हुआ आयोजन, चार दिवसीय आयोजन के पहले दिन हुआ फैशन शो और कवि सम्मेलन

पं. छन्नूलाल की गायकी से काशी यात्रा का आगाज

वाराणसी | निज संवाददाता

आईआईटी बीएचयू के वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव काशी यात्रा का आयोजन गुरुवार को स्वतंत्रता भवन सभागार में किया गया। भारत की सांस्कृतिक पहचान पर आधारित उत्सव का उद्घाटन शास्त्रीय गायक पद्मभूषण पं. छन्नूलाल मिश्र ने किया।

उन्होंने कहा कि जीवन में संगीत का बड़ा महत्व है। ईश्वर कुछ लोगों को यह हुनर प्रदान करते हैं। गीत-संगीत जीने की कला तो सिखाती है। साथ ही जीवन के उद्देश्यों को पूरा करने में मदद करती है। इस अवसर को काशी नगरी की महत्ता को 'काशी नगरी की महिमा अपार है, शिव का दरबार है' गीत के माध्यम से समझाया। स्वरचित गीत के माध्यम से मिश्र ने न सिर्फ भारतीय संस्कृति बल्कि बनारस की पहचान को भी बताया। उन्होंने तकनीकी दक्ष युवाओं को आशीर्वाद दिया। संस्थान के निदेशक प्रो. प्रमोद कुमार जैन ने छात्र-छात्राओं को शुभकामना दी। चार दिनों के इस उत्सव में आठ तरह के आयोजन होंगे जिसमें नाटक, गीत-संगीत, तकनीक, पेंटिंग साहित्य व ज्ञानवर्धक कार्यक्रम होंगे। छात्र अधिष्ठाता प्रो. बीएन राय, काशीयात्रा के अध्यक्ष प्रो. केके सिंह, संयोजक संप्रीत नयन व सांस्कृतिक परिषद के सचिव साई पवन के साथ युवा मौजूद रहे।

उद्घाटन समारोह को संबोधित करते पंडित छन्नू लाल मिश्रा।

37 वीं काशी यात्रा का पद्म भूषण पं. छन्नूलाल मिश्र ने किया उद्घाटन

350 तकनीकी कॉलेजों के करीब चार हजार विद्यार्थी कर रहे है शिरकत

काशी यात्रा के पहले दिन गुरुवार को स्वतंत्रता भवन में उपस्थित लोग। • हिन्दुस्तान

उत्साह-उमंग से भरे रहे युवा

वाराणसी। काशी यात्रा में तीन दिनों तक उत्सवी माहौल छाया रहेगा। उत्साह व उमंग से भरे युवाओं ने महोत्सव के माध्यम से उपस्थिति दर्ज कराई। आठ श्रेणियों में विभाजित इस प्रतियोगिता में अगले तीन दिनों तक भारतीय संगीत, नृत्य, वेस्टर्न संगीत, रंगमंच, अभिनय तथा ज्ञान वर्धक कार्यक्रम आयोजित होंगे। प्रतियोगिता के निर्णायकों में बॉलीवुड अभिनेता शिशिर शर्मा, मिस इंडिया 2016 की प्रथम रनर-अप कृष्णा एरंवी तथा क्विज मास्टर अरुल मणि शामिल होंगे।

गली गैंग का जलवा

पहली शाम (18 जनवरी) को डीजे सों और प्रसिद्ध रैपर डिवाइन अपनी गली गैंग के साथ समां बांधेंगे। दूसरी शाम (19 जनवरी) को यूट्यूब पर पसंद किये जाने वाले कॉमेडियन आकाश गुप्ता पकूजन का तड़का परोसेंगे।

गायक केके संग धमाल

समापन (20 जनवरी) की शाम बॉलीवुड के गायक केके की गायकी से होगी। अंतर्नाद के तहत केके का लाइव प्रदर्शन होगा। यहां आए इजराइल के कलाकार दीवारों व सड़क पर पेंटिंग बनाएंगे। पेटा यूथ के सहयोग से यह कलाकार भित्ती चित्रों के माध्यम से जानवरों के खिलाफ क्रूरता की निंदा करने वाले चित्र बनाएंगे।

बंजी रन व सूमो रेसलिंग भी

इस बार आईआईटीयंस कुछ खेल भी खेलेंगे। अपने तरह के अनोखे खेलो में निशानेबाजी, ह्यूमन फुसबॉल, बंजी रन तथा सूमो रेसलिंग होगी। राजपूताना खेल मैदान से लेकर आईटी जिमखाना में विविध खेलो का आयोजन होगा।

मुहब्बत की इसी मिट्टी को हिन्दुस्तान कहते हैं...

वाराणसी | निज संवाददाता

आईआईटी बीएचयू के सांस्कृतिक उत्सव काशी यात्रा में गुरुवार को कवियों ने समां बांधा।

स्वतंत्रता भवन में मशहूर शायर राहत इंदौरी ने अपनी 'रचना हम अपनी जान के दुश्मन को अपनी जान कहते हैं। मुहब्बत की इसी मिट्टी को हिन्दुस्तान कहते हैं' की प्रस्तुति के साथ मंच संभाला। तालियों से हुए अभिवादन को इशारे में स्वीकार करते हुए आगे कहा कि जो दीवार का सुराख है, वह साजिश का हिस्सा है। मगर हम इसको अपने घर का रोशनदान कहते हैं।

राहत इंदौरी ने कहा कि खुशी है कि अब तकनीकी कॉलेज भी साहित्य में रुचि ले रहे हैं। कवि रुपेश सक्सेना ने भी अपनी बातों को दिलों तक पहुंचाया। कहा कि ये दुनिया है जो बात का अफसाना बना देती है, एक तेरी मोहब्बत है जो दीवाना बना देती है। इसी क्रम को बढ़ाते हुए कवि दमदार बनारसी ने सुनाया कि 'उसे पाने की है ख्वाहिश जिहादियों की तरह, मुहब्बत है मेरी मुकाम आंधियों की तरह'। नई पीढ़ी की कवि के रूप में गौरी मिश्रा अपने बेहद सादा और आसान जुबान के चलते पहचानी जाती हैं।

कविता प्रस्तुत करते राहत इंदौरी।

काशी यात्रा के पहले दिन गुरुवार को फैशन शो में भाग लेने से पहले सेल्फी लेता छात्राओं को एक ग्रुप।